http://www.upboardonline.com

वार्षिक परीक्षा 2019-20

कक्षा—XI

समय— 3:00 घंटा | विषय— हिन्दी | पूर्णांक— 90

नोट— निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर, स्वच्छता का विशेष ध्यान रखते हुए उत्तर दीजिए।

प्र०1. दिये गये विकल्पों में से सही उत्तर वाले विकल्प को छाँटिए।

(क) भारतेन्दु हरिशचन्द्र द्वारा रचित नाटक है—
(i) बिल्लेसुर बकरिह (ii) भारत दुर्दशा
(iii) संयोगिता स्वंयवर (iv) महाराणा प्रताप

(ख) आचार्य प्रसाद द्विवेदी द्वारा सम्पादित पत्रिका थी—
(i) हस (ii) सरस्वती
(iii) ब्राह्मण (iv) इन्दु

(ग) सरदार पूर्ण सिंह के द्वारा निम्नलिखित में से किस निबंध की रचना की गई है—
(i) पवित्रता की (ii) कुटज की
(iii) निन्दारस की (iv) राष्ट्र का स्वरूप

(घ) घुमक्कड़ शास्त्र के लेखक है—
(i) मोहन राकेश (ii) राहुल सांकृत्यायन
(iii) जैनेन्द्र (iv) अज्ञेय

(ङ) रामवृक्ष बेनीपुरी का सुप्रसिद्ध रेखाचित्र है—
(i) लालतारा (ii) अतीत के चलचित्र
(iii) स्मृति की रेखाएँ (iv) आवारामसीहा

(च) भूषण द्वारा लिखा गया काव्य है—
(i) बीजक (ii) पद्मावत्
(iii) शिवराज—भूषण (iv) शृंगार लहरी

(छ) तुलसीदास द्वारा रचित 'विनय—पत्रिका' की भाषा है—
(i) खड़ी बोली (ii) ब्रजभाषा
(iii) अवधी भाषा (iv) मैथिली भाषा

(ज) रीतिकाल के किस कवि ने वीर रस की रचना लिखी है—
(i) घनानन्द ने (ii) बिहारी ने
(iii) सेनापति ने (iv) भूषण ने

(झ) भक्तिकाल के कवि हैं—
(i) जयशंकर प्रसाद (ii) सूरदास
(iii) बिहारी (iv) भूषण

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

(ञ) 'पृथ्वीराज रासो' किस काल की रचना है—
(i) आदिकाल (ii) भक्तिकाल
(iii) रीतिकाल (iv) आधुनिक काल

प्र०2. दिए गए गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 10

आचरण भी हिमालय की तरह ऊँचे कलशवाला मन्दिर है। यह वह आम का पेड़ नहीं, जिसको मदारी एक क्षण में तुम्हारी आँखों में मिट्टी डालकर, अपनी हथेली पर जमा दे। इसके बनने में अनन्त काल लगा है। पृथ्वी बन गई, सूर्य बन गया, तारागण आकाश में दौड़ने लगे; परन्तु अभी तक आचरण के सुन्दर रूप के दर्शन नहीं हुए। कहीं—कहीं उसकी अत्यल्प छटा अवश्य दिखाई देती है।

प्रश्न— (क) गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।
(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(ग) आचरण महिमामय और दिव्य किस प्रकार होता है?
(घ) श्रेष्ठ आचरण का निर्माण कितने समय में हो सकता है?
(ङ) इन पंक्तियों में लेखक ने मदारी या जादूगर के क्रिया—कलापों को किस सन्दर्भ में प्रयुक्त किया है?

अथवा

मानव शरीर में पेट का स्थान नीचे है; हृदय के ऊपर और मस्तिष्क का सबसे ऊपर। पशुओं की तरह उसका पेट और मानस समानान्तर रेखा में नहीं है। जिस दिन वह सीधे तनकर खड़ा हुआ, मानस ने उसके पेट पर विजय की घोषणा की। गेहूँ की आवश्यकता उसे है; किन्तु उसकी चेष्टा रही है गेहूँ पर विजय प्राप्त करने की। प्राचीनकाल के उपवास, व्रत तपस्या आदि उसी चेष्टा के भिन्न—भिन्न रूप हैं।

प्रश्न— (क) गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।
(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(ग) मानव शरीर के तीन मुख्य अंग कौन से हैं?
(घ) मानव शरीर और पशुओं में किस दृष्टि से अन्तर बताया गया है?
(ङ) लेखक ने मानव के लिए क्या आवश्यक बताया है?

प्र०3. निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 10

बिनु गुपाल बैरिन भई कुंजै।
तब वै लता लगति तन सीतल, अब भई विषम ज्वाल की पुंजैं।।
बृथा बहति जमुना, खग बोलत, बृथा कमल—फूलनि अलि गुंजैं।।
पवन, पान, घनसार, सजीवन, दधि—सुत किरनि भानु भई भुंजैं।।
यह उधौ कहियौ माधौ सौ, मदन मारि कीन्हीं हम लुजैं।

http://www.upboardonline.com

सूरदास प्रभु तुम्हारी दरस को, मग जोवत अंखियाँ भई छुंजैं।।

प्रश्न– (क) पद्यांश की रचना एवं रचनाकार का नाम लिखिए।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(ग) श्रीकृष्ण की उपस्थिति में लताएँ कैसी लगती थीं, और अब वे कैसी प्रतीत हो रही हैं?

(घ) गोपियों को क्या देखकर दुःख होता है?

(ङ) विरह की स्थिति में गोपियों के लिए क्या दाहक बन गया है?

अथवा

बतरस–लालच लाल की, मुरली धरी लुकाई।
सौंह करै भौंहुन हँसै, दैन कहैं नटि जाइ।।

प्रश्न– (क) पद्यांश की रचना एवं रचनाकार का नाम लिखिए।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(ग) राधा जी ने श्री कृष्ण की मुरली को क्यों छिपाकर रख दिया?

(घ) उपरोक्त दोहे में कौन ता रस है?

(ङ) राधा जी ने अपने पास मुरली होने की बात के सन्दर्भ में क्या किया?

प्र०4 भारतेन्दु हरिशचन्द्र', 'डॉ० सम्पूर्णानन्द,' 'बिहारी' तथा भूषण में से किसी एक का साहित्यिक परिचय लिखिए। 5

प्र०5 आकाशदीप', 'प्रायश्चित', 'समय' में से किसी एक कहानी का सारांश अथवा उद्देश्य लिखिए। http://www.upboardonline.com

प्र०6 श्रवण कुमार' खण्ड काव्य के 'अभिशाप–सर्ग' की कथावस्तु लिखिए।

अथवा

श्रवण कुमार खण्डकाव्य का उद्देश्य लिखिए।

प्र०7. निम्नलिखित अवतरणों में से किसी एक का सन्दर्भ सहित हिन्दी अनुवाद लिखिए। 7

अयं पर्वतराजः भारतवर्षस्य उत्तरसीम्नि स्थितः तत् प्रहरीव शत्रुभ्यः सततं रक्षति। हिमालयादेव समुद्गम्य गङ्गा–सिन्धु–ब्रह्मपुत्राख्याः महानद्यः, शतद्रि–विपाशा–यमुना–सरयू–गण्डकी–नारायणी–कौशिकी प्रभृतयः नद्यश्च समस्तामपि उत्तरभारतभुवं स्वकीयैः तीर्थोदकैः न केवलं पुनन्ति, अपितु इमां शस्यश्यामलामपि कुर्वन्ति।

अथवा

नैनं छिन्दन्ति शास्त्राणि नैनं दहति पावकः।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः।।

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

प्र०8. (क) शृंगार रस' अथवा 'करुण रस' के स्थायी भाव के साथ उसकी परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 2

(ख) 'अनुप्रास' अलंकार अथवा 'उत्प्रेक्षा' अलंकार का लक्षण उदाहरण सहित लिखिए। 2

(ग) 'दोहा छन्द' अथवा 'चौपाई छन्द' का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए। 2

प्र०9 'हाथ–पाँव मारना' अथवा 'तिल का ताड़ बनाना' मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए।

प्र०10 (क) 'कमलोदय' अथवा 'रवीन्द्र' का सन्धि–विच्छेद कीजिए। 2

(ख) 'नदीषु' शब्द का विभक्ति एवं वचन है। 2

(i) सप्तमी, बहुवचन (ii) चतुर्थी बहुवचन
(iii) पञ्चमी, एकवचन (iv) सप्तमी, द्विवचन

(ग) 'सुत–सूत', अथवा 'धरा–धारा' शब्द युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए।

(घ) निम्नलिखित शब्दों से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए– 2

(i) गुण (ii) उत्तर (iii) पवन

(ङ) 'जिसे कोई जीत न सके' अथवा 'जो कम खाता हो' वाक्यांश के लिए एक–एक शब्द लिखिए।

(च) निम्नलिखित में से किन्हीं तीन वाक्यों को शुद्ध कीजिए। 3

(i) तुलसीदास ने अनकों ग्रंथ लिखे।
(ii) मैं कलम के साथ लिखता हूँ।
(iii) हवा ठंडी बह रही है।
(iv) तुम्हें क्षमा माँगना चाहिए।

प्र०11. अपने क्षेत्र में मच्छरों के प्रकोप से डेंगू अथवा मलेरिया फैलने की सम्भावना का वर्णन करते हुए उचित कार्यवाही के लिए 'नगर स्वास्थ्य' अधिकारी को पत्र लिखिए।

अथवा

छात्रवृत्ति प्राप्त करने हेतु अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को एक आवेदन–पत्र लिखिए।

प्र०12. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर अपने शब्दों में निबंध लिखिए– 10

(i) स्वच्छता–अभियान की सामाजिक सार्थकता।
(ii) विद्यालय में स्वास्थ्य–शिक्षा का महत्व।
(iii) वृक्षारोपण की उपयोगिता।
(iv) मेरा प्रिय साहित्यकार।

http://www.upboardonline.com